किसको कहूं मैं अपना |By Simran Kaur

किसको कहूं मैं अपना किसको कहूं पराया
हर एक शख्स ने है दिल मेरा दुखाया
किसको कहूं मैं अपना.....
तेरे सिवा बाबा कोई समझ ना पाया
हर एक शख्स ने है दिल मेरा दुखाया
किसको कहूं मैं अपना.....

तेरे तो मुझ पर बाबा एहसान हीं बहुत है
फिर भी कभी ना कहता एहसानमंद तू है
हमदर्द बनके सबने हर दर्द को बढ़ाया
दिल को सुकून बाबा चरणों में तेरे आया
किसको कहूं मैं अपना.....

मुझको नहीं जरूरत कि कोई मुझको समझे
तू जानता है मुझको यह बात ही बहुत है
मैं पापी हूं या कपटी यह जानता तू ही है
मैं हारी जब भी बाबा तूने गले लगाया
किसको कहूं मैं अपना.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b8%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%95%e0%a4%b9%e0%a5%82%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%85%e0%a4%aa%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-simran-kaur/